T.D.C. III Cost Accountancy
B.Com. V Fifth Paper Dr S.N. Pathak
Deptt. of Commerce R.R.C. Hajk

* Define Production Account distinguish between Production Account & Cost Sheet.

→ उत्पादन लेखांकन आज के युग के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिस संस्था का लागत खाते दोहरी लेखा पद्धति (Double Account System) पर अपनाया जाता है वहाँ उत्पादन खाते द्वारा इकाई परिचय ज्ञात किया जाता है इस खाते को निर्माण खाता या Manufacturing Account भी कहते हैं।

जैसा कि G.R Glower and R.G. Williams ने कहा है "The term production Account is used to denote a particular focus of Manufacturing Account prepaid in confuction with the financial Account cost of production of goods Manufactured during the period under required. These Accounts May be drawn up at short in traval e.g. Monthly.

उत्पादन खाते का प्रमुख उद्देश्य उत्पादन लागत निकालना है इसमें कोई संदेह नहीं है परन्तु यह ज्ञात करना हो कि कोई एक उत्पादन का कार्य लाभप्रद चल रहा है अथवा नहीं तथा भिन्न-भिन्न उत्पादन कार्यों पर अलग-अलग कितना लाभ हो रहा है तो उत्पादन खाते के द्वारा लाभ-हानि ज्ञात किया जा सकता है। यदि कोई उत्पादन कार्य हानि दर्शाता है तो उसका मितव्ययिता लाने का प्रयास किया जाता है।

लागत पत्र एक ऐसा विवरण है जिसका प्रयोग एक निश्चित अवधि के अंतर्गत उत्पादित वस्तुओं या इकाइयों की कुल लागत के निर्धारण के लिए की जाती है तथा इसके अंतर्गत कुल लागत प्रति इकाई लागत एवं उत्पाद के उत्पादन से लेकर विक्रय योग्य बनाने तक के विभिन्न स्तरों पर होनेवाली लागत को दर्शाता है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

लागतपत्रक एक सारणीबद्ध विवरण है जिसके अंतर्गत उत्पादन की कुल लागत को विश्लेषणात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाता है यह विवरण सुविधानुसार साप्ताहिक, मासिक या त्रैमासिक भी हो सकता है।

इसके संबंध में ICMA London ने कहा है, "लागत एक ऐसा विवरण है जो किसी लागत केन्द्र या लागत इकाई के संबंध में विस्तृत लागत का का संग्रहण प्रस्तुत करता है।"

Cost Sheet तथा Production Account दोनों का प्रमुख उद्देश्य लागत इकाई को ज्ञात करना होता है। लेकिन Production Account का प्रयोग वैसे unit में किया जाता है जो Manufacturing का कार्य करता है इसलिए इसे financial Cost भी कहते है।

Cost Sheet प्रत्येक unit में प्रयोग किया जाता है चाहे वह productive unit हो या Assembling unit हो, इस प्रकार दोनों cost ज्ञात करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Distinguish between Reconciliation Statement & Memorandum Statement

→ Reconciliation Statement तथा Memorandum Statement दोनों ही दोहरा लेखा प्रणाली पर आधारित है इसके दो अंग होते है financial statement तथा Reconciliation. financial statement में factory से संबंधित वास्तविक खर्च दिया जाता है जिससे Net Profit, Gross Profit तथा financial statement तैयार किया जाता है।

लेकिन Cost statement में सभी खर्च वास्तविक नहीं होते बल्कि कुछ खर्च अनुमान के आधार पर दिया जाता है जिसके कारण financial statement - तथा Cost Statement के अंतर को दूर करने के लिए financial Reconciliate statement बनाया जाता है।

H. J Hellou के शब्दों में, " जहाँ लेखों पद्धति पर आधारित है वहाँ लागत लेखा तथा वित्तीय लेखा अलग-अलग से नहीं रखे जाते हैं फलस्वरूप समाधान की समस्या उपस्थित नहीं होती, लेकिन जहाँ वित्तीय लेखा, तथा लागत लेखा दोनों रखे जाते है, लेखों का समाधान आवश्यक हो जाता है।

लागत विवरण बनाने के लिए हम निम्नलिखित विधि अपनाते है:—

(A) लागत लेखों के लाभ का ~~अंकगार~~ आधार

(B) परिणामों के अंतर के कारणों का अध्ययन

(C) ज्यादा जोड़

(D) कम घटाओ

(E) अंतिम Stock का मूल्यांकन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

इसी प्रकार Memorandum Reconciliation Account एक खाते के रूप में भी प्रस्तुत किया जा सकता है इसे ही स्मृति समाधान खाता कहते है परिव्यय पुस्तकों द्वारा दिखाया गया लाभ Credit Side में एवं हानि Debit Side में लिखा जाता है वे सभी मदें जो समाधान हेतु परिव्यय पुस्तकों के लाभ में जोड़ी जाती है खाते के Credit पक्ष तथा घटायी जानेवाली मदें Debit Side में दिखायी जाती हैं। खाते का शेष वह होता है जो वित्तीय पुस्तकों द्वारा दिखाया गया लाभ या हानि है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Dr. S.N. Pathak
Deptt Commerce
R.N.C. Hajipur,

* Define Cost Accountancy. Discuss the importance in recent times.

→ लागत लेखांकन, लेखांकन की एक विशिष्ट शाखा है जिसमें किसी वस्तु तथा या सेवा से संबंधित लागत की विस्तृत एवं व्यवस्थित सूचनाएँ रखी जाती हैं। ताकि वस्तु के उत्पादन की कुल तथा प्रति इकाई लागत प्राप्त किया जा सके, इससे लागत विश्लेषण तथा लागत नियंत्रण का मार्ग-दर्शन भी प्राप्त होता है। लागत लेखा औद्योगिक जगत की आत्मा है। इसपर ही हमारी सफलता तथा विफलता निर्भर करती है।

इसके संबंध में कुछ विद्वानों का विचार कुछ इस प्रकार है:—

वाल्टर डब्लू बिग के शब्दों में, "लागत लेखांकन व्ययों के ऐसे विश्लेषण एवं वर्गीकरण की व्यवस्था है जिससे उत्पादन की किसी विशिष्ट इकाई की कुल लागत का निर्धारण शुद्धता की उचित मात्रा के साथ किया जा सके और साथ ही सही रूप से यह भी स्पष्ट हो सके कि ऐसी कुल लागत कैसे आयी है।

Harold J. Wheldon, " Costing is the classification recording appropriate allocation of expenditure for the determination of the cost of products or services and for the presentation of suitably arranged data for the purpose of control and guidance of the Management. It Indicates the ascertainment of the cost of every order, job contract services or unit as may be appropriated. It deals as the cost of production, selling and Distribution.

∴ इस प्रकार हम कह सकते हैं कि लागत लेखांकन ऐसी धाराओं, रीतियों, तकनीकी और प्रक्रियाओं के समूह के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। जिससे किसी उपक्रम के व्यक्तिगत उत्पादों सेवाओं या विभागों की लागत लाभदायकता तथा निष्पादन की गणना, विश्लेषण और अनुमान हो सके।

आज के युग में, लागत लेखांकन का बहुत महत्व है इसी लिए कहा जाता है कि " cost accounting is a system of foresight and not of post mortem It converts the losses into profit & makes the activities Dynamic and removes the wastages."

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

Cost Accounting को आज सभी उद्योगों ने अपनाया है। इसके लाभों को इस प्रकार प्रदर्शित कर सकते हैं।

(A) प्रबंधकीय कार्य के लिए महत्व :- प्रबन्ध कार्य के लिए लागत लेखांकन आवश्यक है प्रबंधकों के लिए यह leader के रूप में कार्य करता है। प्रबंधकों के लिए इसका महत्व इस प्रकार है।

(i) नियोजन - Planning की नीतियाँ, प्रक्रियाओं, नीतियों, कार्यक्रम और बजट सामिल होते हैं। इसके निर्धारण को लागत सूचना प्राप्त होते हैं।

(ii) संगठन - संगठन लागत लेखांकन का आधार है। निर्माणी उपक्रम की क्रियाएँ विभिन्न कार्यों जैसे- उत्पादन, प्रशासन, विक्रय, वितरण इत्यादि में वर्गीकृत की जाती है।

(iii) Motivation - मानव कार्य करने में प्रेरणा और स्नेह एवं भावनाओं से प्रभावित होता है। Production Account में labour की उपस्थिति होती है, जो Progressive Incentive, Wages System से प्रभावित होती है।

(iv) नियंत्रण :- नियंत्रण लागत लेखांकन का एक महत्वपूर्ण कार्य है। यह संगठन कार्य का गुणात्मक एवं संख्यात्मक मापन को सुनिश्चित करता है।

(B) प्रबंधकों का लाभ इस प्रकार है :-

(1) सामग्री प्रबंध की कुशलता (Efficiency in Material Management)

(2) श्रम लागत पर नियंत्रण (control on labour cost)

(3) मशीनों का सदुपयोग (Proper utilisation of Machinery)

(4) बजटरी नियंत्रण (Budgetary control)

(5) उत्पादन नीति का निर्धारण (Determination of production policy)

(6) लागत नियंत्रण की सहायता (Help in cost control)

(7) व्यवसायिक निर्णयन की सहायता (Help in business decisions.

(C) कर्मचारियों को लाभ :- लागत लेखांकन प्रणाली श्रमिकों तथा कर्मचारियों को शोषण करना नहीं सिखाती है बल्कि उसकी कार्यकुशलता में वृद्धि तथा आर्थिक वेतन प्रदान करने की तकनीक सिखाती है, जो श्रमिक अकुशल है उसे कुशल बनाने का प्रयास करता है।

(D) ऋणदाताओं तथा विनियोजकों को लाभ :- कोई भी ऋणदाता वैसे कंपनी को ऋण देना चाहता है जो लाभ पर चले ऐसा तभी संभव है जब उसने लागत लेखा पद्धति को अपनाया है।

PTO

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

इंग्लैण्ड में कानून के द्वारा वैसे ही कंपनी को Industrial loan दिया जाता है। जो cost Accounting System को अपनाया है।

(E) उपभोक्ताओं को लाभ :- इससे उपभोक्ताओं को भी लाभ प्राप्त होता है लागत लेखांकन अपनाने वाले फर्म कम लाभ की मात्रा लेकर समान बेचना चाहते हैं ताकि अधिक से अधिक वस्तुओं का विक्रय हो सके।

(F) राष्ट्र की अर्थव्यवस्था तथा सरकार को लाभ :- प्रत्येक सरकार अपने देश की आर्थिक प्रगति के लिए योजना बनाती है। इस कार्य के लिए लागत तथ्य के आँकड़े एकत्र किया जाता है इन आँकड़े के द्वारा सरकार यह तय कर पाते हैं कि किस उद्योग को प्रोत्साहित किया जायेगा।

उपयुक्त तथ्यों से लागत लेखांकन के आज के युग में इनके महत्व स्पष्ट होते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner